**Shri Agrasen Kanya Post Graduate College**
**Bulanala/Parmanandpur Varanasi**

**Department of Hindi (PG)**

## सेमेस्टर – प्रथम

## प्रश्न पत्र – प्रथम

## प्रश्न पत्र शीर्षक – प्राचीन एवं निर्गुण काव्य

## कोर्स कोड – A010701T

**Course outcomes**

प्राचीन एवं निर्गुण काव्य के अंतर्गत संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों यथा – कबीर, विद्यापति, जायसी, चंदबरदाई, आदि से अवगत हो सकेंगे एवं हिंदी साहित्य में आदिकाल के परिवेश – राजनीतिक , सामाजिक , सांस्कृतिक , धार्मिक परिस्थितियों से भलीभांति परिचित हो सकेंगे

## प्रश्न पत्र – द्वितीय

## प्रश्न पत्र शीर्षक – सगुण एवं रीतिकाव्य

## कोर्स कोड – A010702T

**Course outcomes**

छात्र सगुण एवं रीतिकालीन काव्य का अध्ययन कर सकेंगे एवं तद्युगीन सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे साथ ही साथ छात्राओं में तद्युगीन कविता के अध्ययन एवं विश्लेषण हेतु समझ विकसित कर सकेंगे, इसके द्वारा छात्र ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन एवं आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे

## प्रश्न पत्र – तृतीय

## प्रश्न पत्र शीर्षक – गद्य साहित्य (निबंध एवं नाट्य साहित्य )

## कोर्स कोड – A010703T

**Course outcomes**

गद्य साहित्य के माध्यम से छात्राओं में भाषा के प्रति अभिरुचि जाग्रत एवं शुद्ध वचन करने की छमता का विकास हो सकेगा, गद्य लेखकों व गद्य लेखन शैली यथा – मुहावरों, लोकोत्तियों आदि के उचित ओरयोग से अवगत हो सकेंगे

**प्रश्न पत्र – चतुर्थ**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – भारतीय काव्यशास्त्र**

**कोर्स कोड – A010704T**

**Course outcomes**

भारतीय काव्यशास्त्र के अंतर्गत छात्राओं को प्राचीन काव्य सिद्धांतों का बोध करवाया जायेगा जिससे काव्यात्मक सांस्कृतिक परंपरा से छात्र अवगत हो सकेंगे

**सेमेस्टर – द्वितीय**

**प्रश्न पत्र – प्रथम**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – आधुनिक काव्य (मैथिलीशरण गुप्त, पन्त , प्रसाद)**

**कोर्स कोड – A010801T**

**Course outcomes**

आधुनिक काव्य  के स्वरुप से छात्र को अवगत कराना एवं कविता के महत्व को समझने हेतु प्रेरित करना साथ ही साथ छात्राओं में कविता के प्रति रूचि उत्पन्न करना जिससे छात्राएं कविता का प्रयोजन तथा कविता शिक्षण की विभिन्न प्रणालियों से अवगत हो सकेंगे

**प्रश्न पत्र – द्वितीय**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – आधुनिक काव्य (निराला,महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध )**

**कोर्स कोड – A010802T**

**Course outcomes**

छायावाद एवं प्रयोगवाद की प्रवृत्तियों से छात्राओं को अवगत कराना तथा काव्य के नवीन मूल्यों एवं उपमानों से परिचित करवाते हुए काव्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना|

**प्रश्न पत्र - तृतीय**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – गद्य साहित्य (कथा साहित्य)**

**कोर्स कोड – A010802T Course outcomes**

कथा साहित्य के प्रति छात्राओं में रूचि उत्पन्न करना|

कथा एवं कहानी में निहित भावों ,विचारों एवं नैतिक मूल्यों को ग्रहण करने की क्षमता को विक्सित करना|

सृजनात्मक शक्ति का विकास करना साथ ही साथ शब्द ,सूक्ति ,मुहावरे इत्यादि के उचित प्रयोग से अवगत करवाना|

**प्रश्न पत्र – चतुर्थ**

**प्रश्न पत्र शीर्षक - पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,हिंदी आलोचना और आलोचक**

**कोर्स कोड- A010804T**

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्पराओं से छात्राओं को अवगत करवाना

काव्यात्मक सांस्कृतिक परम्पराओं से परिचित करवाना|

पाश्चात्य कविता को समझाने के प्राचीन काव्य सिद्धांतों से अवगत करवाना|

**सेमेस्टर – तृतीय**

**प्रथम प्रश्नपत्र शीर्षक : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**

**कोर्स कोड - A010901T**

हिंदी भाषा के विकास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

भाषाका अर्थ और उसकी परिभाषा जन सकेंगे

ज्ञान की अन्य शाखाओ से भाषा विज्ञान का सम्बन्ध जन सकेंगे

भाषा के विविध रूपों के बारे में समझ सकेंगे

भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित हो सकेंगे

द्वितीय प्रश्न पत्र- हिंदी साहित्य का इतिहास – 'खंड क' प्रारंभ से रीतिकाल तक

**प्रश्न पत्र – द्वितीय**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – हिंदी साहित्य का इतिहास – (खंड क: आदिकाल से रीतिकाल तक)**

**कोर्स कोड – A010902T**

**Course outcomes**

हिंदी साहित्य के इतिहास में कालविभाजन और नामकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाल सकेंगे

काल विभाजन और नामकरण के आधारों को पहचान सकेंगे

हिंदी साहित्येतिहास के काल विभाजन की समस्या को रेखांकित कर सकेंगे

भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे

निर्गुण एवं सगुण भक्ति परम्परा के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

रीतिकाल के अर्थ और स्वरुप को समझ सकेंगे

रीतिकाल के राजनीतिक , सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के बारे में बता सकेंगे

**प्रश्न पत्र – तृतीय (वैकल्पिक)**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – लोक साहित्य**

**कोर्स कोड – A010903T**

**Course outcomes**

साहित्य एवं लोकजीवन के सम्बन्ध को समझ सकेंगे

लोकसाहित्य के विविध विधाओं से परिचित हो सकेंगे

भारत में लोक साहित्य के इतिहास को समझ सकेंगे

लोकभाषा से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे

**प्रश्न पत्र – चतुर्थ**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी के विविध रूप एवं सूचना संजाल**

**कोर्स कोड – A010904T**

**Course outcomes**

प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप एवं प्रकार्यों को समझ सकेंगे

प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध छेत्रों की संछिप्त जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

पारिभाषिक शब्दों की विशेषताएं एवं मायने समझ सकेंगे

पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया और सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

भाषा के विविध श्रेणियों में हिंदी भाषा के विकास को बता सकेंगे

**सेमेस्टर – चतुर्थ**

**प्रश्न पत्र – प्रथम**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – भाषा विज्ञान एवं हिंदी व्याकरण**

**कोर्स कोड – A010001**

**Course outcomes**

भाषा विज्ञान का अर्थ एवं उसके स्वरुप को समझ सकेंगे

हिंदी की वर्ण व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे

स्वर तथा व्यंजन के उच्चारण में होने वाले प्रयत्न के बारे में सम्यक ब्याख्या कर सकेंगे

हिंदी व्याकरण के नियमो से परिचित हो सकेंगे

**सेमेस्टर – चतुर्थ**

**प्रश्न पत्र – द्वितीय**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – हिंदी साहित्य का इतिहास – (खंड ख : आधुनिक काल से अब तक)**

**कोर्स कोड – A010002T**

**Course outcomes**

आधुनिक काल के उद्भव की सामाजिक , राजनीतिक ,आर्थिक  एवं साहित्यिक परिस्थितियों से अवगत हो सकेंगे

आधुनिकयुगीन काव्य की संरचनात्मक विशेषताओं को समझ सकेंगे

हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं से परिचित हो सकेंगे

हिंदी आलोचना से परिचित हो सकेंगे

**प्रश्न पत्र – तृतीय(वैकल्पिक)**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – समकालीन साहित्य**

**कोर्स कोड – A010003T**

**Course outcomes**

समकालीन साहित्य की अर्थ एवं प्रवृत्तियों का परिचय दे सकेंगे

हिंदी की समकालीन कविता की पृष्ठभूमि बता सकेंगे

समकालीन कविता की शिल्पगत विशेषताएं समझ सकेंगे

समकालीन कविता से जुड़े प्रमुख कवियों और उनकी प्रमुख रचनाओं के बारे में बता सकेंगे

**प्रश्न पत्र – चतुर्थ**

**प्रश्न पत्र शीर्षक – पत्रकारिता एवं अनुवाद सिद्धांत**

**कोर्स कोड – A010004T**

**Course outcomes**

कार्यालयी हिंदी के स्वरुप से परिचित हो सकेंगे

अनुवाद की आवश्यकता को समझ सकेंगे

कार्यालयी पत्रों की संरचना से परिचित हो सकेंगे

प्रशासनिक पत्राचार तथा सामान्य पत्राचार के अंतर को समझ सकेंगे